एम.फिल. हिन्दी पाठ्यक्रम : 2019

इस पाठ्यक्रम में कुल 4 प्रश्नपत्र होंगे। इसमें से तीन सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र होंगे तथा 1 प्रश्नपत्र लघु शोध–प्रबन्ध होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए 100 अंक निर्धारित होंगे।

समय–3 घंटे **अधिकतम अंक–100**

न्यूनतम अंक – 50

प्रथम प्रश्न पत्र : साहित्य का इतिहास–दर्शन

(क) साहित्य का इतिहास–दर्शन ?
साहित्य इतिहास–दर्शन का भारतीय स्वरूप तथा परम्परा
साहित्य इतिहास–दर्शन का पाश्चात्य स्वरूप तथा परम्परा

(ख) साहित्य का इतिहास– दर्शन और साहित्य का समाजशास्त्र
साहित्यिक विधाएँ : उद्‌भव और विकास के सामाजिक–वैचारिक कारक
श्रेण्य (क्लासिकल) साहित्य और लोक–साहित्य
साहित्य और संस्कृति
समकालीन साहित्य–विमर्श – स्त्री,दलित और आदिवासी विमर्श

(ग) हिन्दी साहित्य का इतिहास–लेखन
हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहासकार एवं इतिहास

क – शुक्लपूर्व प्रमुख इतिहासकार

गार्सा द तासी – इस्तवार द ला लितरेत्युर ऐन्दुई ऐन्दुस्तानी
जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन – द मॉडर्न वर्नाक्युलर लिटरेचर ऑफ हिन्दुस्तान
शिव सिंह सेंगर – शिव सिंह सरोज
मिश्रबन्धु – मिश्रबन्धु विनोद

ख – शुक्लोत्तर इतिहासकार

रामचन्द्र शुक्ल – हिन्दी साहित्य का इतिहास
हजारी प्रसाद द्विवेदी – 1. हिन्दी साहित्य की भूमिका
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल

रामकुमार वर्मा – हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
विश्वनाथ प्रसाद मिश्र – हिन्दी साहित्य का अतीत
धीरेन्द्र वर्मा – हिन्दी साहित्य
रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास
बच्चन सिंह – हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास,
गणपति चन्द्रगुप्त – हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
सुमन राजे – हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास

अंक योजना : **पूर्णांक – 100**

1. 3 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (शब्द सीमा– 600 शब्द) – 3 ग 20 त्र 60 (आन्तरिक विकल्प देय –प्रत्येक खंड से एक)
2. 4 टिप्पणीपरक प्रश्न (शब्द सीमा– 300 शब्द) – 4 ग 10 त्र 40 (आन्तरिक विकल्प देय)

सहायक ग्रन्थ :

1. साहित्य का इतिहास दर्शन – नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
2. साहित्य और इतिहास–दृष्टि – मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
3. साहित्य : अध्ययन की दृष्टियाँ – सं. उदयभानु सिंह आदि, नेशनल, नयी दिल्ली
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना – रामविलास शर्मा, राजकमल, नयी दिल्ली
5. दूसरी परम्परा की खोज – नामवर सिंह, राजकमल, नयी दिल्ली
6. आचार्य शुक्ल का इतिहास पढ़ते हुए – बच्चन सिंह, नेशनल, नयी दिल्ली
7. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के इतिहास की रचना–प्रक्रिया – समीक्षा ठाकुर, लोकभारती, इलाहाबाद
8. हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास – सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली

द्वितीय प्रश्नपत्र : तुलनात्मक भारतीय साहित्य

(क) तुलनात्मक साहित्य : अवधारणा और स्वरूप
तुलनात्मक साहित्य : अध्ययन–प्रविधि या स्वतन्त्र अनुशासन
तुलनात्मक साहित्य का विकास
तुलनात्मक साहित्य : भारतीय और सार्वभौम सन्दर्भ
भारतीय साहित्य और राष्ट्रीय साहित्य
भारतीयता की अवधारणा और स्वरूप
भारतीयता के विविध आयाम
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
तुलनात्मक साहित्य : अध्ययन की प्रविधि–प्रक्रिया
तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन और अनुवाद की भूमिका

(ख) हिन्दी बंगला, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलगू, मराठी एवं गुजराती में से किसी एक के साहित्यिक इतिहास और प्रवृत्तियों का तुलनात्मक अध्ययन– विश्लेषण

(ग) खंड (ख) में चयनित किसी एक भाषा से हिन्दी में अनूदित श्रेष्ठ आधुनिक कृतियों का विवेचनात्मक/आलोचनात्मक अध्ययन (व्याख्या नहीं)

(प) एक काव्य संकलन या काव्यकृति विशेष

(पप) एक उपन्यास

(पपप) एक कहानी संकलन

टिप्पणी – खण्ड (ग) के लिए आरम्भिक रूप में क्रमशः गुजराती एवं मलयालम के लिए पाठ्य पुस्तकें प्रस्तावित हैं। खण्ड (ख) में उल्लिखित अन्य भाषाओं के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज आवश्यकतानुसार पाठ्य पुस्तके भविष्य में निर्धारित करेगा।

गुजराती –

;पद्ध निशीथ – उमाशंकर जोशी

;पपद्ध अमृता – रघुवीर चौधरी

(iii) गूँगे सुर बाँसुरी के – पन्नालाल पटेल

मलयालम –

;पद्ध ओटन्कुष़ल (बाँसुरी) – जी. शंकर कृप

;पपद्ध चेम्मीन (मछुआरे) – तकषी शिवशंकर पिल्लै

;पपपद्ध वानप्रस्थ – एम.टी. वासुदेवन नायर

;पअद्ध चौरंगी – शंकर

अंक योजना : **पूर्णांक – 100**

1. 3 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–प्रत्येक खंड से एक (शब्द सीमा–600 शब्द)–3 ग 20 त्र 60(आन्तरिक विकल्प देय)
2. 4 टिप्पणीपरक प्रश्न–प्रत्येक खंड से दो–दो (शब्द सीमा– 300 शब्द) –4ग10 त्र 40 (आन्तरिक विकल्प देय)

सहायक ग्रन्थ :

1. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका – इन्द्रनाथ चौधुरी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
2. तुलनात्मक साहित्य – सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
3. तुलनात्मक अध्ययन : स्वरूप और समस्याएँ–राजमल बोरा, वाणी, नयी दिल्ली
4. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ–के. सच्चिदानन्दन, राजकमल, नयी दिल्ली
5. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ–रामविलास शर्मा, वाणी, नयी दिल्ली
6. चयनित भाषा के साहित्य का इतिहास
7. अनुवाद प्रक्रिया और तकनीक–डॉ. राम प्रकाश कुलश्रेष्ठ, पंचशील प्रकाशन जयपुर,
8. अनुवाद विज्ञान – डॉ. कैलाश चंद भाटिया, भारत साहित्य भण्डार, अलीगढ़

तृतीय प्रश्नपत्र : शोध–प्रविधि

(क) शोध का स्वरूप

शोध – अनुसन्धान और आलोचना

साहित्य और साहित्यिक शोध

शोध के मूल तत्त्व और प्रकार

शोधकर्ता के गुण/अपेक्षाएँ
शोध प्रविधि की वैज्ञानिकता
शोध–विषय का चयन
प्राक्कल्पना
शोध–विषय की रूपरेखा और विषय–सूची तैयार करना
सन्दर्भों का पहचान और सन्दर्भ ग्रन्थों की सूची बनाना
सामग्री, संकलन और उसके स्रोत
संकलित सामग्री का वर्गीकरण–विश्लेषण–व्यवस्थापन
शोध के साधन
शोध के उपकरण
शोध–निर्देशक की भूमिका और महत्त्व
प्रबन्ध–लेखन
पाद–टिप्पणी और सन्दर्भ–उल्लेख
प्रबन्ध का विन्यास और प्रस्तुति

(ख) हिन्दी में साहित्यानुसन्धान के विविध क्षेत्र और उसकी समस्याएँ

(ग) किसी क्षेत्र–विशेष से संबद्ध विषय में शोध की रूपरेखा (लदवचेपे)तैयार करना।

अंक योजना : **पूर्णांक – 100 (80+20)**

1. 2 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–खंड (क) और (ख) से एक–एक (शब्द सीमा– 600 शब्द) – (आन्तरिक विकल्प देय) 2 ग 20 त्र 40
2. 4 टिप्पणीपरक/लघूत्तरीय/समस्या मूलक प्रश्न(शब्द सीमा– 300 शब्द)–4 ग 10त्र 40 (छः में से चार)
3. किसी शोध विषय की रूपरेखा एवं सन्दर्भ–ग्रन्थ सूची तैयार करना– 20

सहायक ग्रन्थ :

1. शोध प्रविधि – विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
2. अनुसन्धान : प्रविधि और क्षेत्र – राजमल बोरा, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली

चतुर्थ प्रश्नपत्र – लघु शोध–प्रबन्ध

पूर्णांक –100

1. लघु शोध–प्रबन्ध : लेखन एवं प्रस्तुति 100